मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(सी. बी. सी. एस.) (बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) शिवजी की तीसरी आँख से

निकली हुई महाज्वाला में

घृतमिश्रित सूखी समिधा–सम

कामदेव जब भस्म हो गया

रति का क्रंदन सुन आँसू से

तुमने ही तो दृग धोए थे ?

कालिदास सच–सच बतलाना

रति रोई या तुम रोए थे ?

(ख) तुझे सौगन्ध है घनश्याम की आ,

तुझे सौगन्ध भारत–धाम की आ,

तुझे सौगन्ध सेवा–ग्राम की आ,

कि आ, आकर उजड़ते को बचा, आ।

(ग) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,

यह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा;

कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कड़वे तम में

यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त नेत्र,

उल्लंब-बाहु, यह चिर-अखंड अपनापा।

(घ) तुम्हारे साथ रहकर

अक्सर मुझे लगा है

कि हम असमर्थताओं से नहीं

सम्भावनाओं से घिरे हैं,

हर दीवार में द्वार बन सकता है

और हर द्वार से पूरा का पूरा

पहाड़ गुजर सकता है।

(ङ) फिर डूब जाता है सूरज

कहीं से आती हैं

पानी पर तैरती हुई

लोगों के बोलने की तेज आवाजें

कहीं से उठता है धुँआ

पेड़ों पर मंडराता हुआ

और पानी में घिरे हुए लोग

हो जाते हैं बेचैन।

2. प्रगतिवाद का महत्व बताते हुए प्रमुख प्रगतिवादी कवियों का परिचय दीजिए। 16

3. 'नयी कविता' की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

4. समकालीन हिन्दी कविता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 16

5. एक कवि के रूप में केदारनाथ अग्रवाल के महत्व की चर्चा कीजिए। 16

6. नागार्जुन की कविता के मूल स्वर पर प्रकाश डालिए। 16

7. माखनलाल चतुर्वेदी की कविता के भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए। 16

8. अज्ञेय की काव्य–संवेदना का विश्लेषण कीजिए। 16

9. रघुवीर सहाय की स्त्री–दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 16

× × × × × × ×